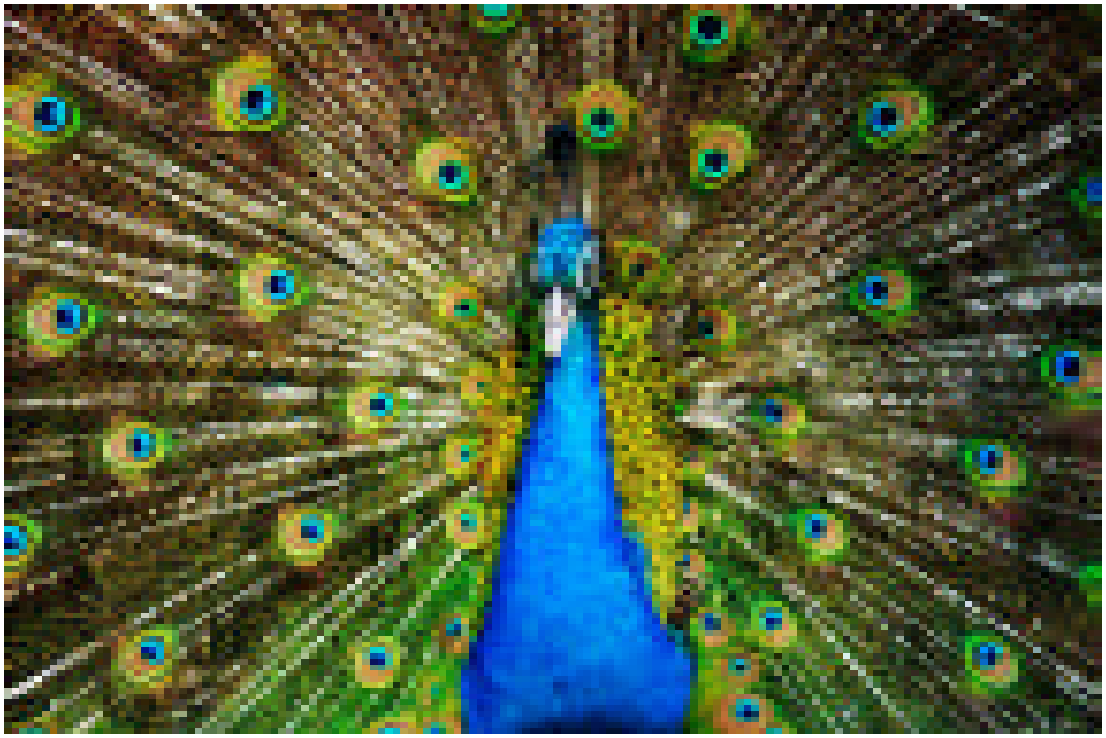

मोर की कौन-सी बात लुभाती है?

क्या डॉर्विन का यह मत सही था कि मोरनियां मोर की पूंछ से आकर्षित होती हैं।

मोर का नाच जग प्रसिद्ध है और जैव विकास के प्रवर्तक डार्विन का विचार था कि मोरनी अपना साथी चुनते समय मोर के पंखों की ओर देखती है। यह बात जैव विकास के संदर्भ में बहुत महत्व रखती है कि प्रजजन में किसी जीव को किन गुणों से लाभ मिलता है। जिन गुणों से जंतु की प्रजनन क्षमता बढ़ेगी वह गुण अगली पीढ़ियों में ज़्यादा पहुंचेगा क्योंकि उस गुण के धनी जीव की ज़्यादा संतानें पैदा होंगी।

अब जापान में हुए अध्ययन ने सवाल उठाया है कि क्या डॉर्विन का यह मत सही था कि मोरनियां मोर की पूंछ से आकर्षित होती हैं। इस अध्ययन के परिणामों के अनुसार मोरनी संभोग के लिए मोर का चयन उसकी पूंछ को देखकर नहीं करती है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के मारिको ताकाहाशी और उनकी टीम के सदस्यों ने 7 वर्षों तक मोर और मोरनी के व्यवहार पर अध्ययन किया हैं। इसके लिए उन्होंने शिजोका के ईज़ू पार्क में सन 1995 से 2001 तक मोर-मोरनियों के व्यवहार का अवलोकन किया।

उन्होंने वहां उपस्थित सभी मोरो के फोटोग्राफ लिए। पूंछ के आकर्षण को नापने के लिए उसके पंखों के साइज़ और आंखों को गिना। आम तौर पर ऐसा माना जाता है कि मोर के पंख में जितनी ज़्यादा आंखें होंगी वह उतना ही आकर्षक होगा। मोरपंखों को आकर्षण के पैमाने पर रख लेने के बाद शोधकर्ताओं ने ध्यान दिया कि मोरनी संभोग के लिए किस प्रकार के मोरों का चयन करती है।

ताकाहाशी और उनकी टीम ने 268 संभोगों का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि मोरनी ने संभोग के लिए सादी पूंछ वाले मोरों को लगभग उतना ही पसंद किया जितना भड़कीली पूंछ वालों को। यह आश्चर्यजनक और डार्विन के विचारों के विपरीत था। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि मोरनी संभोग-साथी का चयन करते समय पूंछ को ज़्यादा तरजीह नहीं देती है।

मगर यह कहना ज़रूरी है कि इससे पहले किए गए तीन अलग-अलग अध्ययनों में यह प्रमाणित हुआ है कि मोरनियों द्वारा साथी चयन में पूंछ की बनावट का बहुत महत्व होता है। इस सम्बंध में कोई निष्कर्ष निकालने से पहले और जानकारी की ज़रूरत होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***